2024 III 12 | 0930 | Seat No. [ ][ ][ ][ ][ ]

Time : 3 Hours **HINDI LANGUAGE-II**

Subject Code

H	4	4	2	4

Total No. of Questions : 45 **(Printed Pages : 8)** **Maximum Marks : 80**

सूचनाएँ : (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।

(*iii*) प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है—क, ख, ग।

(*iv*) दायीं ओर दर्शायी हुई संख्या प्रश्न के अंक दर्शाती हैं।

खण्ड-क (कुल अंक 14)

निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित विकल्प भरते हुए वाक्यों को फिर से लिखिए : 2

1. बिल्ली की हत्या की खबर बिजली की तरह ....
   - इलाके में फैल गई।
   - गाँव में फैल गई।
   - शहर में फैल गई।
   - पड़ोस में फैल गई।

2. कौशल्या के हाथ में चिट्ठी थमा ....
   - सब लोग चिंतित हो गए।
   - सब लोग खुश हो गए।
   - सब लोग अस्वस्थ हो गए।
   - सब लोग नाराज हो गए।

निम्नलिखित कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द रिक्त स्थानों में भरते हुए काव्य-पंक्तियों को फिर से लिखिए : 2

3. चमकने देना चाहिए............को उजले फर्श की तरह। (शरीर, मन, आत्मा)

4. जो चौराहों पर खड़े रहते हैं,

सब की............रोकते हैं। (राह, डगर, बात)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए : 2

5. 'रथवर्णन' कविता में विभीषण के मन में क्या संदेह उत्पन्न होता है ?

6. शल्य के अनुसार कर्ण मन ही मन किससे डरता है ?

अथवा

6. अंधेरे की सड़क कहाँ तक जाती है ?

निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

इंसान सोचना और सवाल करना छोड़ सकता है किन्तु समस्या के हल के लिए कार्य करने की आवश्यकता होती है। इसके लिए कठिन परिश्रम और लगन चाहिए। एक राष्ट्रपति के रूप में और इससे पहले एक वैज्ञानिक के रूप में, मैंने जीवन में तीन महत्वपूर्ण बातें सीखीं—ज्ञान, परिश्रम और प्रयास। हमारे देश का बहुत ही सुनहरा भविष्य है। जो कल के नेता बनेंगे, खासकर बच्चों को कठिन परिश्रम करना है। ऐसा करने से विकसित भारत का लक्ष्य खुद-ब-खुद प्राप्त हो जाएगा। यह हमें कोई उपहार में न दे देगा बल्कि हमने जो अपने लिए लक्ष्य तय किया है उसे हासिल करने के लिए हमें दिन-रात मेहनत करनी होगी। अपने खून-पसीने की बदौलत ही हम भारत को विकसित देशों की कतार में खड़ा कर सकेंगे। यदि भारत को 2020 तक एक विकसित देश बनना है तो हमें यह सफर अपने युवकों के बल पर ही तय करना होगा।

प्रश्न—

7. किसी भी समस्या को सुलझाने के लिए क्या करने की आवश्यकता होती है? 1

8. लेखक ने अपने जीवन में कौनसी महत्वपूर्ण बातें सीखीं ? 1

9. किस आधार पर विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त हो सकता है ? 1

10. उपर्युक्त गद्य खण्ड किस पाठ से लिया गया है ? 1

निम्नलिखित गद्य अवतरण का सन्दर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए : 4

11. ''नदी तट पर आपने मेरी प्रार्थना नहीं स्वीकार की थी, किन्तु आज स्वीकार करनी पड़ेगी''।

अथवा

11. ''सारी व्यवस्था उलट-पलट हो जाएगी। जो चला आ रहा है, उसे बदलने से नई-नई कठिनाइयाँ पैदा हो सकती हैं''।

खण्ड-ख (कुल अंक 18)

निम्नलिखित प्राचीन पद्य-अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

12. ''लाली मेरे लाल की जित देखूँ तित लाल।

लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल।।

अथवा

12. ''समै समै सुंदर सबै, रूपु कुरूपु न कोइ।

मन की रुचि जेती जितै, तित तेती रुचि होइ।।

निम्नलिखित आधुनिक पद्य-अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

13. "रोना और मचल जाना भी,

क्या आनंद दिखाते थे!

बड़े-बड़े मोती से आंसू

जयमाला पहनाते थे।"

अथवा

13. "सजा सहज सितार,

सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।

एक क्षण के बाद वह कांपी सुघर,

ढुलक माथे से गिरे सीकर।"

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **40-45** शब्दों में लिखिए : 6

14. गजाधर बाबू को क्यों लगा कि वह जिंदगी द्वारा ठगे गए हैं ?

15. लोहिया जी का व्यक्तित्व कैसा था ?

अथवा

15. जीवनलाल का हृदय परिवर्तन कब होता है ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **20-25** शब्दों में लिखिए : 4

16. कर्ण के जीवन का मुख्य उद्देश्य क्या था ?

17. हमें उदासी को जिंदगी से कैसे निकाल फेंकना चाहिए ?

अथवा

17. "दुःख नहीं कोई कि अब उपलब्धियों के नाम पर,
और कुछ हो या न हो, आकाश सी छाती तो है"—इस पंक्ति के आशय को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ग (कुल अंक 48)

निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए : 2

18. श्रद्धा

19. सुविधा

निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए : 2

20. छूना

21. देव

निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए : 2

22. आँख

23. चिट्ठी

निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी रूप लिखिए : 2

24. निश्चित

25. असामान्य

निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर रूप बदलिए : 2

26. गंध

27. पसंद

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 2

28. हम भ्रष्टाचार बिल्कुल मिटाना चाहता है।

29. रामू की बहू बेचारा सिर झुकाए गुमसुम बैठी रहा।

निम्नलिखित कोष्ठकों में दी गई संज्ञाओं का उचित कारक रूप रिक्त स्थानों में भरते हुए पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए : 2

30. अलोपीदीन ने............कलम निकाली। (कलमदान)

31. एक तरह से पूरे देश की बागडोर संतरियों के............होती है। (हाथ)

निम्नलिखित कोष्ठकों में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : 2

32. मैं रोमांचित होकर मनोहरराय सरदेसाय की कविता गुनगुनाने लगता हूँ। (अपूर्ण भूतकाल)

33. आप लोगों को कुछ गलतफहमी हो गई है। (सामान्य भविष्य काल)

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखते हुए सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए : 2

34. आसन जमाना

अथवा

34. नाकवाला होना

निम्नलिखित कार्यालयीन शब्दों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2

35. audit

36. judicial power

37. "**चंद्रयान-3 की सफलता**" पर अपने विचार व्यक्त करते हुए दो मित्र, सुहास और सुधीर के बीच हुआ संवाद लगभग **15** से **20** वाक्यों में लिखिए। 5

38. दीपविहार उच्च माध्यमिक विद्यालय सड़ा, मुरगाव (वास्को) में वनमहोत्सव के अन्तर्गत 'पौधों का वितरण' किया गया। इस कार्यक्रम पर लगभग **70** से **75** शब्दों में प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लिखिए। 5

39. वैभव/वैभवी सावंत, चिखली, वास्को-गोवा से नगराध्यक्ष, नगरपालिका, वास्को-गोवा से चिखली में स्थित बाल उद्यान (children park) की जर्जर स्थिति की शिकायत करते हुए पत्र लिखता/लिखती है। 5

अथवा

39. राजेश/राधिका मणेरकर, घर क्रमांक 415 रूमडामल, दवर्ली, मडगांव, गोवा से नीचे दिए गए विज्ञापन (advertisement) के आधार पर आवेदन पत्र तैयार करता/करती है। 5

आवश्यकता है

ग्रंथपाल (Librarian)

1. शैक्षणिक योग्यता
   - बी.ए. उत्तीर्ण।
   - पुस्तकालय विज्ञान प्रमाण पत्र—अनिवार्य।
   - भाषा—हिंदी, कोकणी, मराठी आदि का ज्ञान आवश्यक।
   - संगणक का ज्ञान आवश्यक।
2. अनुभव 2 वर्ष

पूरी जानकारी के साथ आवेदन करें।

संपर्क : प्राचार्य/प्राचार्या
सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय कवळे,
फोंडा गोवा।

निम्नलिखित अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

रामकृष्ण परमहंस एक संत चरित्र व्यक्ति थे, जो त्याग-ध्यान-भक्ति की पारंपरिक विधियों से धार्मिक मुक्ति पाने में विश्वास रखते थे। धार्मिक सत्य की खोज तथा स्वयं में ईश्वर का अनुभव करने के उद्देश्य से वे मुस्लिम तथा ईसाई दरवेशों के साथ भी रहे। उन्होंने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि ईश्वर तक पहुँचने तथा मुक्ति पाने के कई मार्ग हैं और यह कि मनुष्य की सेवा ईश्वर

की सेवा है, क्योंकि मनुष्य ईश्वर का ही मूर्तिमान रूप है। उनके धार्मिक संदेशों को उनके महान शिष्य स्वामी विवेकानंद ने प्रचारित किया तथा उनको समकालीन भारतीय समाज की आवश्यकताओं के अनुसार डालने का प्रयास किया। विवेकानंद का सबसे अधिक जोर सामाजिक क्रिया पर था। उन्होंने कहा कि ज्ञान अगर वास्तविक दुनिया में, जिसमें हम रहते हैं, कर्म से हीन हो तो व्यर्थ है। अपने गुरु की तरह उन्होंने भी सभी धर्मों की बुनियादी एकता की घोषणा की तथा धार्मिक बातों में संकुचित दृष्टिकोण की निंदा की।

40. मनुष्य किस तरह ईश्वर को प्राप्त कर सकता है ? 1

41. रामकृष्ण परमहंस किस बात में विश्वास रखते थे ? 1

42. गुरु और शिष्य में कौन सी समानता थी ? 1

43. रामकृष्ण परमहंस ने किस बात पर जोर दिया है ? 1

44. उपर्युक्त गद्य-खंड के लिए उचित शीर्षक दीजिए। 1

45. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **200** शब्दों में निबंध लिखिए : 8

- फटे नोट की आत्मकथा
- युवा वर्ग : नशीली दवाईयाँ
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ!
- विज्ञान और मानव जीवन